<u>पेयजल, सिंचाई, शिक्षा और आईटी में भी विश्व बैंक के सहयोग की जरूरत – मुख्यमंत्री</u>

विश्व बैंक ने माना, राजस्थान ग्रामीण सड़कों के सुधार में देश में सर्वश्रेष्ठ

जयपुर, 23 सितम्बर। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विश्व बैंक के प्रतिनिधि मण्डल के साथ बैठक कर राजस्थान में विश्व बैंक के सहयोग से चल रहे राजस्थान रूरल लाइवलिहुड प्रोजेक्ट (आर.आर.एल.पी.), राजस्थान एग्रीकल्चर कॉम्पिटीटिवनेस प्रोजेक्ट (आर.ए.सी.पी.), राजस्थान रोड सेक्टर मॉडर्नाइजेशन प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की।

विश्व बैंक की प्रबन्ध निदेशक एवं सी.ओ.ओ. श्रीमूल्यानी इन्द्रावती ने राजस्थान में ग्रामीण सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान का यह प्रोजेक्ट देश में सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने राज्य में विश्व बैंक के सहयोग से चल रहे अन्य प्रोजेक्ट्स की प्रगति को भी उल्लेखनीय बताया।

श्रीमूल्यानी इन्द्रावती ने राज्य सरकार के विजन–2020 की सराहना करते हुए कहा कि इसमें मुख्यमंत्री के विकास के विजन की पूरी झलक मिलती है। उन्होंने कहा कि विजन–2020 विश्व बैंक की नीति और सोच के अनुरूप है। अतः इसमें सहयोग करने में हमें खुशी होगी। उन्होंने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में राजस्थान के शीर्ष राज्यों में स्थान बनाने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के ऊर्जावान नेतृत्व एवं दूरदर्शी सोच से प्रदेश और अधिक ऊचाइयां हासिल करेगा।

मुख्यमंत्री श्रीमती राजे ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में जरूरी सुधार करने के लिए छीजत कम करने और उपभोक्ताओं को निर्बाध रूप से गुणवत्ता युक्त विद्युत आपूर्ति पर काम कर रहे हैं। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र में सुधार परियोजना एवं राज्य हाइवे परियोजना को विश्व बैंक द्वारा शीघ्र स्वीकृत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जिस पर विश्व बैंक की प्रबन्ध निदेशक ने शीघ्र प्रक्रिया प्रारम्भ करने के लिए विशेषज्ञों का एक दल भेजने का विश्वास दिलाया।

श्रीमती राजे ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए पेयजल, जल संसाधन, शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं के क्षेत्र में विश्व बैंक के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य के आधारभूत विकास एवं सामाजिक कल्याण की योजनाओं के लिए विश्व बैंक का सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

बैठक में राजस्थान की विद्युत कम्पनियों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए विश्व बैंक के प्रतिनिधियों ने कहा कि बैंक उच्च स्तर पर विचार विमर्श कर विद्युत कम्पनियों को मुश्किल एवं समस्याओं से उबारने के लिए निर्णय लेगा। राजस्थान रूरल लाइवलिहुड प्रोजेक्ट, राजस्थान एग्रीकल्चर कॉम्पिटीटिवनेस प्रोजेक्ट में आ रही बाधाओं को दूर कर इन्हें गति देने पर भी सहमति बनी। विश्व बैंक की उपाध्यक्ष, दक्षिण एशिया एनेट डिक्शन और कन्ट्री डायरेक्टर श्री ऑनो रूहल ने भी बैठक में विचार व्यक्त किए।

मुख्य सचिव श्री सीएस राजन ने बैठक में विश्व बैंक के दल के सदस्यों का स्वागत करते हुए राजस्थान रूरल लाइवलिहुड प्रोजेक्ट की अवधि मार्च, 2018 तक बढ़ाने हेतु अनुरोध किया। जिस पर विश्व बैंक ने शीघ्र प्रक्रिया प्रारम्भ करने पर सहमति दी। इस दौरान विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं विश्व बैंक के प्रतिनिधि उपस्थित थे।